

भारत सरकार  
पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय  
लोक सभा  
अतारांकित प्रश्न सं. 3975  
18.08.2025 को उत्तर के लिए

### रेल पथों पर जंगली जानवरों की मृत्यु

**3975. श्री ए. राजा :**

क्या पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

- (क) देश में, पिछले पाँच वर्षों के दौरान विशेषकर हाथियों के पाए जाने वाले गलियारों में से गुजर रहे रेल पथों के बीच मरने वाले हाथियों और अन्य वन्य पशुओं की संख्या कितनी है;
- (ख) क्या हाल ही में पश्चिम मिदनापुर जिले के खड़गपुर-टाटानगर खंड में तेज गति से आ रही एक्सप्रेस ट्रेन की चपेट में आने से तीन हाथियों की मृत्यु हो गई;
- (ग) यदि हाँ, तो तत्संबंधी व्यौरा क्या है;
- (घ) क्या ट्रेन चालकों को उक्त गलियारों के बीच में हाथियों के आने-जाने के प्रति सतर्क रहने और गति सीमित रखने के निर्देश दिए गए थे; और
- (ङ) भविष्य में जंगली जानवरों को बचाने के लिए गलियारों में बाड़ लगाने सहित किए गए सुव्यवस्थित रोकथाम उपायों का व्यौरा क्या है?

### उत्तर

**पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन राज्य मंत्री  
(श्री कीर्तवर्धन सिंह)**

- (क) से (ङ) राज्य सरकारों/संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों से प्राप्त जानकारी के अनुसार, वर्ष 2020-21 और वर्ष 2024-25 के बीच विभिन्न राज्यों द्वारा ट्रेन की टक्कर के कारण कुल 79 हाथियों के हताहत होने की सूचना प्राप्त हुई है। रेलवे पटरियों पर, विशेषकर हाथी गलियारों में, मृत हाथियों और अन्य जंगली जानवरों की जानकारी मंत्रालय में एकत्र नहीं की जाती है।

पश्चिम बंगाल राज्य से प्राप्त जानकारी के अनुसार, दिनांक 18 जुलाई 2025 को खड़गपुर-टाटानगर रेलवे खंड में झारगाम और बांसतला रेलवे स्टेशन के बीच बांसतला के पास रेलवे पटरियों पर एक हथिनी और हाथी के बच्चे सहित तीन हाथियों की मौत हुई है।

पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने रेल मंत्रालय के साथ समन्वय करके रेलवे पटरियों पर हाथियों की मौत को रोकने के लिए कई उपाय किए हैं, जिनमें अंतर-मंत्रालयी बैठकें आयोजित करना भी शामिल है। हाथियों के पर्यावासों में गति पर प्रतिबंध, भूकंपीय

सेंसर आधारित हाथी संसूचन जैसी पायलट परियोजनाएं, विभिन्न स्थानों पर अंडरपास, रैप, बाड़ लगाने के निर्माण कार्य शुरू किए गए हैं।

इसके अलावा, भारतीय वन्यजीव संस्थान, देहरादून ने पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय तथा अन्य हितधारकों के परामर्श से ऐंखिक अवसंरचना के प्रभावों को कम करने के लिए पारिस्थितिकी अनुकूल उपाय' नामक एक दस्तावेज प्रकाशित किया है, जिसका उद्देश्य परियोजना एजेंसियों को रेलवे लाइनों सहित उसकी ऐंखिक अवसंरचना को इस प्रकार डिजाइन करने में सहायता करना है, जिससे मानव-पशु संघर्ष में कमी आए।

हाथियों के संरक्षण और सुरक्षा के विभिन्न पहलुओं पर उन्हें संवेदनशील बनाने के लिए भारतीय वन्यजीव संस्थान में वर्ष 2023 और वर्ष 2024 में रेलवे अधिकारियों के लिए क्षमता निर्माण कार्यशालाएं आयोजित की गईं।

कुल 3,452.4 किलोमीटर में फैले 127 चिन्हित रेलवे खंडों पर क्षेत्र सर्वेक्षण के बाद "भारत में संवेदनशील रेलवे खंडों पर हाथियों और अन्य वन्यजीवों की रेलगाड़ी से टक्करों को कम करने के लिए सुझाए गए उपाय" शीर्षक से एक व्यापक रिपोर्ट तैयार की गई है। वन्यजीवों की आवाजाही की तीव्रता के आधार पर, 14 राज्यों में 1,965.2 किलोमीटर लंबे 77 रेलवे खंडों को स्थल-विशिष्ट हस्तक्षेपों के साथ-साथ शमन के लिए प्राथमिकता दी गई है। चिन्हित खंडों और शमन उपायों का विवरण देने वाली रिपोर्ट राज्य सरकारों और रेल मंत्रालय के साथ भी साझा की गई है।

\*\*\*\*\*